चिकित्सा शिक्षा विभाग की उपलब्धियां/जन सुविधाए।

- उत्तराखण्ड़ राज्य के गठन के समय राज्य में एक भी राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थापित नहीं था।
  निरन्तर प्रयास एवं जनसहयोग के फलस्वरूप सर्वप्रथम वर्ष 2008 में राज्य के प्रथम राजकीय मेडिकल कॉलेज, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल की स्थापना की गयी तथा राज्य मे फारेस्ट ट्रस्ट द्वारा संचालित हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज का 01 मई 2010 को राजकीयकरण किया गया ।
- उपरोक्त दोनो मेडिकल कॉलेजों द्वारा बी0पी0एल0 व निर्धन रोगियों को निःशुल्क औषधि, भोजन व समस्त जॉचे निःशुल्क प्रदान की जाती है।
- राज्य के अल्मोडा, रूद्रपुर एवं देहरादून के मेडिकल कॉलेज निर्माण एवं स्थापना हेतु स्वीकृतिया जारी कर कार्य प्रारम्भ किया गया है।
- स्टेट कॉलज आफ निर्सिंग एवं स्टेट स्कूल आफ नर्सिंग पूर्णरूपेण स्थापित कर क्रियाशील हो गया है, इन संस्थानों में बी0एस0एसी0 नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बी0एस0सी0नर्सिंग, जी0एन0एम0, ए0एन0एम0 पाठ्यक्रम संचालित है।
- 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत 05 बी0एस0सी0 निर्सिंग कॉलेजों(टिहरी, अल्मोडा, पौड़ी, पिथौरागढ़ एवं चमोली) का निर्माण/स्थापना की जा रही है।
- भारत सरकार की विशेष योजनाओं के तहत 06 जी0एन0एम0 स्कूलों (पिथौरागढ़, चमोली, नैनीताल, अल्मोड़ा, पौड़ी एवं हरिद्वार) का निर्माण/स्थापना की जा रही है।
- भारत सरकार की विशेष योजनाओं के तहत 05 ए0एन0एम0 स्कूलों(बागेश्वर, चम्पावत, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं टिहरी) का निर्माण/स्थापना की जा रही है।
- उपरोक्त मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग संस्थानों के निर्माण/स्थापना का प्रमुख लक्ष्य राज्य में चिकित्सकों एवं तृतीय स्तर के नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित कर राज्य के चिकित्सा क्षेत्र में मानव संसाधनों की कमी को पूर्ण किया जा सके, जिससे कि श्रेष्ठ गुणवत्ता परख स्वास्थ्य जन सुविधा को उपलब्ध हो सके।

अपर निदेशक
(चिकित्सा शिक्षा)